भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में 11 अक्टूबर, 2025 को आयोजित प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY), राष्ट्रीय दलहन मिशन एवं अन्य संबंधित योजनाओं के आरंभ एवं उसके सीधे प्रसारण कार्यक्रम की रिपोर्ट

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने निदेशक डॉ. एन. पी. साहू के नेतृत्व में 11 अक्टूबर, 2025 को **"प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY), राष्ट्रीय दलहन मिशन तथा अन्य संबंधित योजनाओं"** के आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया, यह कार्यक्रम NASC परिसर, नई दिल्ली में आयोजित मुख्य समारोह के साथ सीधा प्रसारण के माध्यम से जुड़ा रहा ।

कार्यक्रम का आयोजन भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के यारी रोड, वर्सोवा स्थित नए परिसर के कक्ष संख्या 319 में किया गया, जिसकी शुरुआत प्रातः 11:00 बजे से हुई। इस अवसर पर माननीय श्री. नितेश नारायण राणे, महाराष्ट्र सरकार के मत्स्य एवं बंदरगाह विकास मंत्री,मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम का आरंभ स्वागत भाषण से हुआ, जिसे डॉ. एन. पी. साहू ने प्रस्तुत किया। उन्होंने मात्स्यिकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों को आगे बढ़ाने में भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. साहू ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY), जल परिवहन, जल टैक्सी सेवाओं तथा सामुदायिक विकास जैसी पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु महाराष्ट्र सरकार की सराहना की। उन्होंने यह भी बल दिया कि देश के मछुआरों एवं मत्स्य कृषकों के हित में सभी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय और एकजुटता अत्यंत आवश्यक है ।

माननीय श्री. नितेश नारायण राणे जी ने अपने भाषण में कहा कि भारत में मात्स्यिकी अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार कार्यों में भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई का उत्कृष्ट योगदान रहा है । उन्होंने कहा, "मछली पकड़ना एक चुनौतीपूर्ण और कौशल-प्रधान पेशा है।" उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि "माननीय प्रधानमंत्री श्री। नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि मात्स्यिकी क्षेत्र को सशक्त और आधुनिक बनाया जाए।"

उन्होंने भारत सरकार द्वारा मात्स्यिकी विकास के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा यह भी बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने प्रत्येक केंद्रीय योजना के लाभों को मछुआरों तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने मछुआरों की आर्थिक स्थिरता बढ़ाने और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्यों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अब मात्स्यिकी क्षेत्र को कृषि के समकक्ष दर्जा प्रदान किया गया है, जिससे इस क्षेत्र को नई दिशा और गति मिलेगी।

इसके साथ ही उन्होंने श्री. शिवराज सिंह चौहान, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री; श्री. देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र; श्री. भागीरथ चौधरी, केन्द्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; श्री. राजीव रंजन सिंह, केन्द्रीय मंत्री, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्रालय; तथा प्रो. एस. पी. सिंह बघेल, केन्द्रीय राज्य मंत्री, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्रालय की उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता की सराहना की। उन्होंने इस क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए उत्कृष्ट सहयोग के लिए समस्त टीम का आभार व्यक्त किया ।

प्रोग्राम के दौरान नई योजनाओं एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु मराठी भाषा में तकनीकी व्याख्यानों का आयोजन किया गया। भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मनोज पी. ब्राह्मणे ने इन योजनाओं के प्रमुख उद्देश्यों को रेखांकित किया, जिनमें उत्पादकता को दोगुना करना, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना, जानकारी का त्वरित प्रसार सुनिश्चित करना, उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण करना तथा मात्स्यिकी एवं कृषि क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाना शामिल था ।

मुख्य अतिथि के सम्मान समारोह के पश्चात प्रतिभागियों ने नई दिल्ली से राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित सीधे प्रसारण में भाग लिया, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्र को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में श्री. शिवराज सिंह चौहान, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री; श्री. राजीव रंजन सिंह, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री; तथा श्री. भागीरथ चौधरी, केन्द्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय सहित अनेक किसान, मछुआरे, वैज्ञानिक एवं युवा उपस्थित रहे।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कई प्रमुख योजनाओं का उद्घाटन किया गया, जिनमें प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) और दलहन आत्मनिर्भर मिशन शामिल थे, जिनका कुल बजट ₹42,000 करोड़ निर्धारित किया गया है। मत्स्य और जलकृषि क्षेत्र को FIDF योजना के अंतर्गत ₹693 करोड़ का आवंटन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका को रेखांकित किया गया, जिसमें देश को मछली उत्पादन में दूसरा और दुग्ध उत्पादन में पहला स्थान प्राप्त है। साथ ही, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुओं के लिए नि:शुल्क टीकाकरण, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) का प्रभाव, और किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना जैसी प्रमुख उपलब्धियों को भी उजागर किया गया।

भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अंकुश कांबले ने प्राकृतिक खेती पर मराठी में व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें जैव विविधता, मृदा स्वास्थ्य और स्थायित्व पर बल दिया गया। उन्होंने खेत पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिकीय प्रक्रियाओं के उपयोग द्वारा टिकाऊ खेती की आवश्यकता को रेखांकित किया।

एक विशेष संवाद सत्र "मन की बात मछुआरों और मत्स्य कृषकों के साथ" का आयोजन किया गया, जिसका संचालन भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई की मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी विभाग की प्रमुख एवं प्रधान वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. अर्पिता शर्मा ने किया। इस सत्र में मछुआरों, मत्स्य कृषकों और किसानों ने सक्रिय रूप से अपने अनुभव, चुनौतियाँ और सफलता की कहानियाँ साझा कीं।

यह कार्यक्रम ICAR-CIFE के सभी केंद्रों पर एक साथ आयोजित किया गया, जिसे मछुआरों और किसानों की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। प्रतिभागिता निम्नलिखित रही:

- पवारखेड़ा केंद्र, मध्य प्रदेश में 20 मत्स्य कृषक
- मोतीपुर केंद्र, बिहार में 20 किसान एवं उद्यमी
- कोलकाता केंद्र, पश्चिम बंगाल में 80 मत्स्य कृषक
- रोहतक केंद्र, हरियाणा में 33 किसान एवं मछुआरे
- काकीनाडा केंद्र, आंध्र प्रदेश में 30 प्रतिभागी (15 स्टाफ एवं 15 मत्स्य कृषक)
- बलभद्रपुरम मीठे पानी के मत्स्य पालन इकाई में 26 पुरुष एवं महिला मछुआरे
- मत्स्य ग्रामों (वर्सोवा, मढ द्वीप, खार डांडा, भाटी, माहिम एवं अन्य) से मछुआरे, सजावटी मत्स्य कृषक एवं बागवानी (मेथी) किसान से कुल 40
- भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई से 139 वैज्ञानिक, स्टाफ एवं छात्र

इस कार्यक्रम का समन्वयन भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन, धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे डॉ. स्वदेश प्रकाश, मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी विभाग के प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने प्रस्तुत किया। उन्होंने नवाचार, समावेशिता और उत्कृष्टता के माध्यम से भारत के मत्स्य क्षेत्र की सेवा हेतु भा. कृ.अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

Report of Launch of PM Dhan Dhaanya Krishi Yojana (PMDDKY), National Mission on Pulses, and Other Related Schemes at ICAR-CIFE, Mumbai with live streaming of event on 11th October, 2025

The ICAR-Central Institute of Fisheries Education (CIFE), Mumbai, under the leadership of Dr. N. P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, organized a landmark event to commemorate the launch of "P**M Dhan Dhaanya Krishi Yojana (PMDDKY), National Mission on Pulses, and other related schemes"** along with **Live Streaming** of the event happening at the NASC Complex, New Delhi on 11th October, 2025.

The programme was held at Room No. 319, New Campus, Yari Road, Versova, Mumbai, and commenced from 11:00 AM onwards.

The event was graced by the Hon'ble Shri. Nitesh Narayan Rane, Minister of Fisheries and Ports Development, Government of Maharashtra, as the Chief Guest.

The programme started with a welcome address, by Dr. N. P. Sahu who highlighted the pivotal role of ICAR-CIFE in advancing higher education, research, and extension in the fisheries sector. He commended the Government of Maharashtra for initiatives and the effective implementation of PMMSY, water transport, water taxi services, and community development. Dr. Sahu also emphasized the need for convergence and coordination among different Government Departments to ensure the effective implementation of all schemes for the benefit if fishers and fish farmers of the country.

Delivering the keynote address, Shri Nitesh Narayan Rane lauded ICAR-CIFE for its outstanding contributions to fisheries research, education and extension in India. "Fishing is a demanding and skill-intensive profession," he remarked. "It is the dream of Hon'ble Prime Minister Shri. Narendra Modi ji to strengthen and modernize the fisheries sector."

He further highlighted the Government of India's achievements in fisheries development and the proactive role of the Maharashtra Government in ensuring that every central scheme includes tangible incentives reach the fishers. He stressed the objectives of increasing fishers' financial stability, enhancing per capita income as the sector has been granted at par with

agriculture. He appreciated the outstanding leadership of Shri. Shivraj Singh Chauhan, Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, Shri. Devendra Fadanvis, Chief Minister, Maharashtra, Shri Bhagirath Chaudhary**,** Union Minister of State for Agriculture & Farmers' Welfare, Shri. Rajiv Ranjan Singh, Union Minister of Fisheries, Animal Husbandry & Dairying and Panchayat Raj, Prof. S.P. Singh Baghel, Union Minister of State in the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying and Panchayat Raj and their team for excellent support.

To enhance awareness on the newly launched schemes and natural farming, technical lectures in Marathi were organized. Dr. Manoj P. Brahmane, Principal Scientist, ICAR-CIFE, outlined the key objectives of these schemes doubling productivity, promoting digital literacy, ensuring rapid dissemination of information, capacity building through advanced training programmes, and empowering women in fisheries and farming.

Following the felicitation of the Chief Guest, participants joined the national live broadcast from NASC, New Delhi, where Hon'ble Prime Minister Shri. Narendra Modi addressed the nation. The event was attended by Shri Shivraj Singh Chauhan, Minister of Agriculture and Farmers' Welfare; Shri Rajiv Ranjan Singh, Minister of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying; and Shri Bhagirath Chaudhary, Union Minister of State for Agriculture & Farmers' Welfare and many farmers, fishers, scientists and youth.

During this national launch, several key schemes were inaugurated, including the PM Dhan Dhaanya Krishi Yojana and the Dalhan Atmanirbhar Mission with an outlay of ₹42,000 crore. The fisheries and aquaculture sector received an allocation of ₹693 crore under the FIDF scheme. The gathering underscored India's global leadership as the 2nd largest producer of fish and the 1st in milk production, and highlighted major achievements such as the Soil Health Card, PM Fasal Bima Yojana, free vaccination for cattle, the impact of DBT, and the success of the KCC scheme.

Dr. Ankush Kamble, Senior Scientist, ICAR-CIFE, delivered a talk in Marathi on Natural Farming, emphasizing its focus on biodiversity, soil health, and sustainability through the use of on-farm natural inputs and ecological processes.

A special interactive session, “Mann Ki Baat Machwaron aur Matsya Krishakon ke Saath,” was organised and moderated by Dr. Arpita Sharma, Head and Principal Scientist, FEES Division, ICAR-CIFE and Organising Secretary of the programme. In this session fishers, fish farmers and farmers actively shared their experiences, challenges, and success stories.
The event was conducted simultaneously across all ICAR-CIFE centres, receiving an enthusiastic response from fishers and farmers. Participation included:

- 20 Fish farmers at Powarkheda Centre, Madhya Pradesh
- 20 Farmers and entrepreneurs at Motipur Centre, Bihar
- 80 Fish farmers at Kolkata Centre, West Bengal
- 33 Farmers and fishers at Rohtak Centre, Haryana
- 30 Participants (15 staff and 15 fish farmers) at Kakinada centre, Andhra Pradesh
- 26 Fishermen and women at Balabhadrapuram Freshwater Fish Farm
- 40 Fishermen and women, Ornamental fish farmers, and Horticulture (Methi) farmers from various fishing villages like Versova, Madh Island, Khar Danda, Bhati, Mahim etc.
- 135 Scientists, Staff, and Students from ICAR-CIFE, Mumbai

The event was coordinated by the Fisheries Economics, Extension and Statistics (FEES) Division of ICAR-CIFE.

The programme concluded with a vote of thanks by Dr. Swadesh Prakash, Principal Scientist, FEES Division and Coordinator of the programme reaffirming ICAR-CIFE’s commitment to serving India’s fisheries sector through innovation, inclusivity, and excellence.

Dr. Arpita Sharma

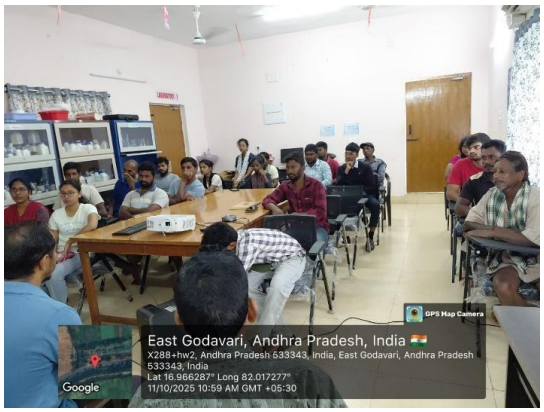
GPS Map Camera
East Godavari, Andhra Pradesh, India
X288+hw2, Andhra Pradesh 533343, India, East Godavari, Andhra Pradesh 533343, India
Lat 16.966287° Long 82.017277°
11/10/2025 10:59 AM GMT +05:30
Google

vivo Y75